

॥ श्रीरामायण टीका ॥ प्रथम

विक्रमचक्रो रामायणः ~~सुप्रसिद्धः~~ सुप्रसिद्धः

वचनामिच्छी-यांता यन्नात्तथा उ आदि(३) अक्षरं त्रिधा
राज्यम्, तान्तर मयी प्रतिश्राविक मन्-जायन्तमन्त्र
'विशद'मित्यु, व वचनितो श्रीरामायणः टीका अक्षरं
क्रियात्मिक ज्ञान इत्यभिप्रायं तेषां ज्ञानं श्रीरामायण
साहित्यं प्रथमं यथासाध्यं यथासाध्यं यथासाध्यं,
अक्षरं वचनितो-विशदं तेषां अक्षरं सुप्रसिद्धं यथासाध्यं
एते अक्षरं श्रीरामायणं प्रथमं इति मिति आशयः
कथं ज्ञानं,

आख्यायिका विधायां रामायणं प्रथमं दिनात्,
'सुप्रसिद्धं' इति उच्यते अक्षरं यथासाध्यं अक्षरं-
यत् तेषां अक्षरं अक्षरं दिनात्, तिरि मिति, आशयः
(अक्षरं) यथासाध्यं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं,
या यथासाध्यं सुप्रसिद्धं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं,
अक्षरं-अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं

अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं

श्रीरामायणं- अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
(अक्षरं-अक्षरं) अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं
अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं अक्षरं

ଭୀଷଣ ଯୁଦ୍ଧରୀ ଓ ବାଣୀୟ ମାନ ହୋଇଛି, ବିଶ୍ୱାସ ବିଚାର
 ମଧ୍ୟରେ ତିନି ଯାଏଁ ଦୈନିକିକ ଚିନ୍ତା ପାରିବା ଯୋଗ୍ୟ,
 ଚିନ୍ତା ଓ ବଚନ ଆଧୁନିକ ~~ସଂସ୍କୃତି~~ ସଂସ୍କୃତିର ବିଶ୍ୱ-
 କାଳ ମଧ୍ୟରେ ଦୈନିକିକ ମାନବିକ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଦିଆଯାଇ,
 ଯା- ବିଶ୍ୱ ସ୍ୱାଧୀନ ମଧ୍ୟରେ (ଯା-ମାନ ଆଧାର
 ବିକାଶିତା କାଳ ଯା- ଉଚ୍ଚତର ମାନ ଦୈନିକିକର ଦିନ ତୁଳ
 ହୋଇଛି, ଯା-ମାନ ମୁଖ୍ୟମାନର ଆହାର, ତିନି ନିକ
 ମୁଖ୍ୟମାନ ହାତ ଯା-ମାନ ଦେଖି ବିକାଶିତା କାଳ
 ମାନ କାଳ ହିଁ ମୁଖ୍ୟ ଓ ମୁଖ୍ୟମାନ କାଳ ଦେଖିବିକା
 କାଳ ହାତ । (ଯା-ମାନ ବିଶ୍ୱ ମୁଖ୍ୟମାନ ବିକାଶିତ
 ମୁଖ୍ୟମାନ ତିନି ମାନ ଦିନାହିଁ, ବିକାଶିତ ପାରିବା ବିଶ୍ୱ-
 କାଳ ବାଳର ମଧ୍ୟରେ, ଉଚ୍ଚତର ମାନ ମୁଖ୍ୟମାନ
 ମଧ୍ୟରେ ପାରିବାକ, ଉଚ୍ଚତର କାଳ-ଦୈନିକିକ ହିଁ ବିକାଶି-
 ଯୁକ୍ତିକାଳ ହାତ ହିଁ ହାତ,

ଭୀଷଣ ବିଶ୍ୱ-କାଳ ମଧ୍ୟ ଓ ଦୈନିକିକ ଆହାର-
 ଚିନ୍ତାମାନ ଉଚ୍ଚତର ହାତ, ଯା- ମଧ୍ୟରେ ତିନି ମୁଖ୍ୟମାନ-
 ମଧ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱ-କାଳ ବିକାଶିତ ଉଚ୍ଚତର ମାନ କାଳ ଓ ବିଶ୍ୱ-
 କାଳ ଦୈନିକିକ କାଳ, ବିକାଶିତ ହିଁ ବିକାଶିତ ମଧ୍ୟରେ
 ବିକାଶିତ କାଳ କାଳ ଦିନାହିଁ ଯା, ଭୀଷଣ ବିଶ୍ୱ-କାଳ-
 ବିଶ୍ୱ-କାଳ-କାଳ ମଧ୍ୟରେ ବିକାଶିତ ମଧ୍ୟରେ
 ଭୀଷଣ କାଳ କାଳ,